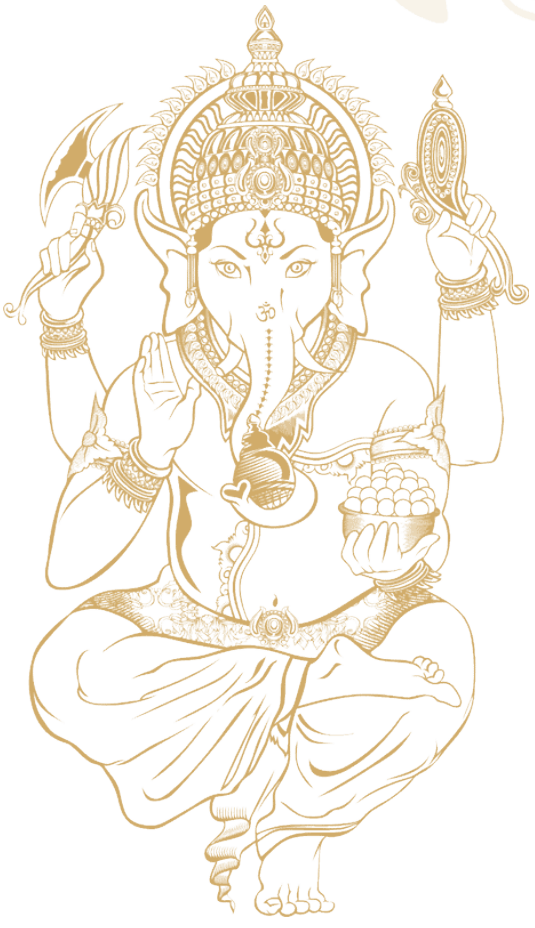

Mr.Hitesh Sharma

Ms.aass

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120086704

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
29/07/1992	जन्म तिथि	20/06/1996
बुधवार	दिन	गुरुवार
घंटे 07:00:00	जन्म समय	16:45:00 घंटे
घटी 03:16:41	जन्म समय(घटी)	28:21:18 घटी
India	देश	India
Palwal	स्थान	Ludhiana
28:09:00 उत्तर	अक्षांश	30:56:00 उत्तर
77:20:00 पूर्व	रेखांश	75:52:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:40	स्थानिक संस्कार	-00:26:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:41:19	सूर्योदय	05:23:36
19:12:27	सूर्यास्त	19:32:37
23:45:31	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:32

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 1वर्ष 10मा 27दि	28:24:27	कर्क	लग्न	वृश्चि	00:20:49	बुध 7वर्ष 9मा 10दि
बुध	12:25:39	कर्क	सूर्य	मिथु	05:35:20	शुक्र
25/06/2013	01:44:37	कर्क	चंद्र	कर्क	23:53:59	01/04/2011
26/06/2030	07:47:09	वृष	मंगल	वृष	11:47:07	01/04/2031
बुध 22/11/2015	20:31:34	कर्क व	बुध	वृष	14:54:56	शुक्र 31/07/2014
केतु 18/11/2016	20:48:59	सिंह	गुरु व	धनु	20:42:36	सूर्य 01/08/2015
शुक्र 19/09/2019	24:54:58	कर्क	शुक्र व	वृष	20:42:07	चन्द्र 31/03/2017
सूर्य 26/07/2020	22:04:23	मक व	शनि	मीन	12:55:01	मंगल 31/05/2018
चन्द्र 25/12/2021	06:32:47	धनु व	राहु व	कन्या	19:52:41	राहु 31/05/2021
मंगल 22/12/2022	06:32:47	मिथु व	केतु व	मीन	19:52:41	गुरु 30/01/2024
राहु 11/07/2025	21:26:46	धनु व	हर्ष व	मक	10:04:40	शनि 01/04/2027
गुरु 16/10/2027	23:17:55	धनु व	नेप व	मक	03:16:58	बुध 30/01/2030
शनि 26/06/2030	26:23:27	तुला व	प्लूटो व	वृश्चि	07:10:40	केतु 01/04/2031

लग्न-चलित

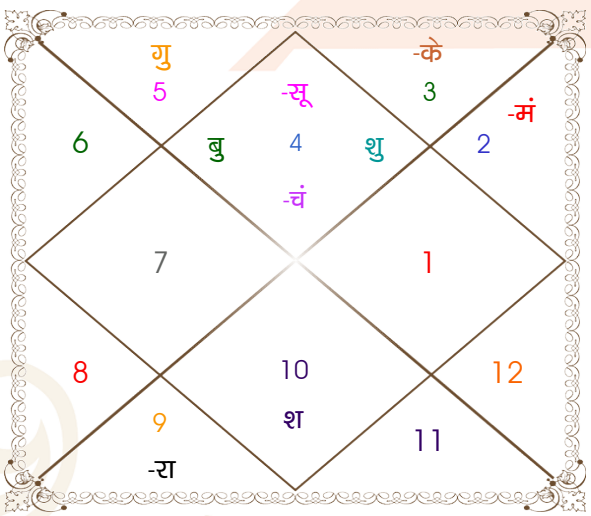

लग्न-चलित

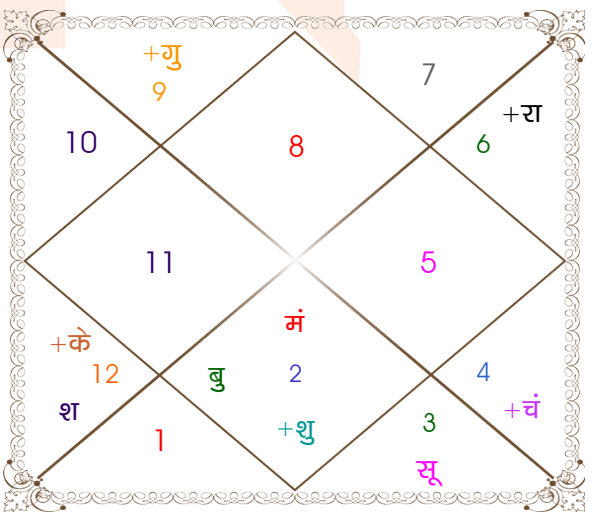

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	मार्जार	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	चन्द्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	29.50		

डतण्भ्पजर्मी ींतउं का वर्ग मेष है तथा Ms.aass का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्भ्पजर्मी ींतउं और Ms.aass का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्भ्पजर्मी ींतउं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Ms.aass मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.aass कि कुण्डली में सप्तम् भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि डतण्भ्पजर्मी ींतउं कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक

दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डतण्भ्पजर्मीं ीतउं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्भ्पजर्मीं ीतउं तथा Ms.aass में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।